- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 उद्घोषिका से नीतीश कुमार का शरारतपूर्ण व्यवहार अत्यंत शर्मनाक: सुशील मोदी

04 केके पाठक के बेतिया पहुंचने पर मचा रहा हड़कंप, विद्यालय और डायट का निरीक्षण

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शनिवार, 23 दिसम्बर 2023 www.bordernewsmirror.com ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 310

बेरोजगारी पर मौन है मोदी सरकार : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार बेरोजगारी के मुद्दे पर मौन है। यह सरकार युवाओं को गुमराह कर रही है। बेरोजगारी का आलम ये है कि देश का युवा दिन में 07 घंटे से अधिक सोशल मीडिया पर बिता रहा है। राहुल गांधी ने शुक्रवार को आईएनडीआईए गठबंधन के सांसदों के निलंबन के विरोध में जंतर-मंतर पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सप्ताह दो-तीन युवा लोकसभा में कूद गए। वे अंदर कैसे आए? संसद के अंदर वे गैस का सिलेंडर कैसे लाए? उन्होंने ये विरोध क्यों किया? उसका कारण क्या था?। यह गौर करने की बात है। राहुल ने कहा कि सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक हुई लेकिन सरकार और मीडिया के लिए यह मुद्दा नहीं है।

एनसीआर में ग्रैप के चरण तीन की पाबंदियां लागू

दिल्ली का दैनिक औसत एक्यूआई शुक्रवार शाम 4 बजे 409 दर्ज किया गया

नई दिल्ली। दिल्ली- एनसीआर में एक बार फिर से वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। इसको देखते हुए शुक्रवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान यानी ग्रैप के चरण तीन की पाबंदियां लागू कर दी हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दैनिक एक्यूआई बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का दैनिक औसत एक्यूआई शुक्रवार शाम 4 बजे 409 दर्ज किया गया।

आयोग की उप-समिति ने क्षेत्र में वायु गुणवत्ता की गिरावट को रोकने के लिए पूरे एनसीआर में ग्रैप के चरण तीन लागू करते हुए आठ-सूत्री कार्य योजना को तत्काल प्रभाव से फिर से लागू कर दिया है। आयोग के मुताबिक आज सुबह से दिल्ली की समग्र वायु गुणवत्ता

में अचानक गिरावट के मद्देनजर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान के संचालन के लिए उप-समिति की बैठक हुई।

उप-समिति ने बैठक के दौरान क्षेत्र में समग्र वायु गुणवत्ता परिदृश्य के साथ-साथ मौसम संबंधी स्थितियों और मौसम विभाग, आईआईटीएम द्वारा उपलब्ध कराए गए वायु गुणवत्ता सूचकांक के पूर्वानुमानों की व्यापक समीक्षा की।

आयोग ने बताया कि दिल्ली में अचानक औसत एक्यूआई में अचानक वृद्धि के प्रमुख कारण कोहरे और धुंध की स्थिति के साथ-साथ कम हवा की गति सहित प्रतिकूल मौसम और जलवायु परिस्थितियां हैं।

क्या हैं ग्रैप तीन की पाबंदियां ?

दिल्ली -एनसीआर में पेट्रोल से चलने वाले बीएस-3 इंजन और डीजल से चलने वाले बीएस-4 चार पहिया वाहनों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी, पत्थरों की क्रशिंग, ईंट भट्ठों, खनन और संबंधित गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

500 वर्ग मीटर के बराबर या उससे ज्यादा के उन भूखंड पर निर्माण और तोड़फोड़ परियोजनाओं पर रोक के साथ दिल्ली के 300 किलोमीटर के अंदर प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों और थर्मल पावर प्लांटों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान रहेगा। तंदूर में कोयले और जलावन लकड़ी के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

सांसदों के निलंबन पर विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। विपक्षी सांसदों के निलंबन के विरोध में आईएनडीआईए घटक दलों के नेताओं ने शुक्रवार को यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, एनसीपी प्रमुख शरद पवार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी और राजद सांसद मनोज झा सहित अन्य विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के लोकतंत्र और संविधान को खत्म करने का बीड़ा उठाया है। ये लोग दलितों, मजदूरों, महिलाओं और किसानों को कुचलने का काम कर रहे हैं। इसलिए हमने देश को बचाने के लिए आईएनडीआईए गठबंधन बनाया है। खड़गे ने आगे कहा कि उच्च संवैधानिक पद पर बैठे लोग कहते हैं, "मैं इस जाति का आदमी हूं, इसलिए मुझे अपमानित कर रहे हैं।" हमें सदन में नोटिस तक नहीं पढ़ने दिया जाता, तो क्या मैं ये कहूं कि मोदी सरकार दलित को बोलने भी नहीं देती! एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए विपक्ष एकजुट है। इसके लिए हम कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि सांसदों का निलंबन अलोकतांत्रिक है। विपक्ष को बोलने से रोका जा रहा है।

राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि ₹लोकतंत्र की हत्या हो गई है। अब विपक्ष को मिलकर लोकतंत्र को पुनर्जीवित करना है। सीपीआई (एम) नेता सीताराम येचुरी ने कहा कि हमें उन लोगों से लोकतंत्र को बचाने की जरूरत है, जो वर्तमान में सत्ता में हैं।

गीता में हैं सभी समस्याओं का समाधान : अमित शाह

अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव में संत सम्मेलन को शाह ने किया संबोधित

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री व गृहमंत्री को बताया आधुनिक भारत का लौह पुरुष

बीएनएम@चंडीगढ़

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि गीता एक ऐसा ग्रंथ है, जिसमें विश्व की सभी समस्याओं का समाधान है। गीता का अनुसरण करके कई बड़ी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

केन्द्रीय मंत्री शाह शुक्रवार को कुरूक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में आयोजित संत सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि कुरूक्षेत्र की पावन धरती पर पांच हजार साल पहले भगवान कृष्ण ने धर्म की स्थापना के लिए गीता का उपदेश देकर समूची मानवता को नई राह दिखाई थी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में यहां आकर गीता का प्रचार विश्व स्तर पर करने का संदेश दिया था। जिसका अनुसरण करते हुए हरियाणा की मनोहर सरकार और स्वामी ज्ञानानंदजी महाराज आज कई देशों में गीता जयंती का भव्य आयोजन करवा चुके हैं और यह आयोजन अब अंतरराष्ट्रीय रूप ले चुका है। पिछले नौ वर्षों के दौरान केंद्र व हरियाणा की सरकारों ने गीता के उपदेश का अनुसरण करते हुए न केवल शासन को संचालित किया है बल्कि आमजन में भी आपसी भाईचारे को मजबूत किया है। केंद्र सरकार ने धारा 370 को समाप्त कर कश्मीर को हमेशा के लिए भारत का हिस्सा बनाया है। हरियाणा सरकार ने भी केंद्र की योजनाओं को सबसे पहले लागू कर समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का काम किया है।

इससे पहले केन्द्रीय मंत्री अमित शाह का कुरूक्षेत्र पहुंचने पर स्वागत हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्वागत किया। मनोहर लाल ने कहा कि कई हजार साल पहले दिया गया गीता का संदेश आज भी शाश्वत है। वर्ष 2016 में शुरू हुआ यह आयोजन अब अंतरराष्ट्रीय स्वरूप ले चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आज़ादी के बाद देश में कुछ चुनौतियां थीं। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की रियासतों को मिलाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राम मंदिर निर्माण, धारा 370 जैसे मुद्दे रहते थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह ने उनका आसानी से समाधान किया है।

आदेश सहकारी बैंक के 150 करोड़ घोटाले में तीन बरी

कांग्रेस विधायक सुनील केदार दोषी करार

बीएनएम@नागपुर

नागपुर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (एनडीसीसीबी) के 150 करोड़ रुपये के घोटाले में कांग्रेस विधायक और पूर्व मंत्री सुनील केदार और 4 अन्य को दोषी ठहराया है। कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में 3 लोगों को बरी कर दिया है।

नागपुर की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने शुक्रवार को अपने फैसले में तत्कालीन बैंक अध्यक्ष सुनील केदार, मुख्य बांड दलाल केतन शेठ, तत्कालीन बैंक प्रबंधक अशोक चौधरी और 3

अन्य बांड एजेंट्स को दोषी ठहराया है। बाकी श्रीप्रकाश पोद्दार, सुरेश पेशकर तथा महेंद्र अग्रवाल को निर्दोष करार दिया गया है। अदालत से सजा पर फैसला आना बाकी है।

नागपुर जिला केंद्रीय सहकारी बैंक में हुए 150 करोड़ रुपये के घोटाले में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में बहस चल रही है।

यह पूरा घोटाला 152 करोड़ का था और पिछले 20 साल से अदालत में चल रहा था। साल 2002 में नागपुर जिला मध्यवर्ती बैंक में 152 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला सामने आया था। तब सुनील केदार बैंक के चेयरमैन थे। उस वक्त मुंबई, कोलकाता और अहमदाबाद की कुछ कंपनियों ने बैंक फंड से 125 करोड़ रुपये के सरकारी बॉन्ड खरीदे थे।

राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के तत्कालीन उपाधीक्षक किशोर बेले इस घोटाले के जांच अधिकारी थे। जांच पूरी होने के बाद 22 नवंबर, 2002 को अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। यह मामला तब से लंबित था।

सेंचुरी डीलर्स प्राइवेट लिमिटेड, सिंडिकेट मैनेजमेंट सर्विसेज और गिल्टेज मैनेजमेंट सर्विसेज की मदद से नागपुर जिला मध्यवर्ती बैंक के फंड से इन लोगों ने सरकारी बांड (शेयर) खरीदे, लेकिन बाद में बैंक को इन कंपनियों से खरीदी गई नकदी कभी नहीं लौटाई गई। बांड खरीदने वाली ये सभी निजी कंपनियां दिवालिया घोषित कर दी गईं।

महिला पहलवानों के साथ अन्याय के लिए मोदी सरकार जिम्मेदार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि महिला पहलवानों के साथ अन्याय के लिए सीधे मोदी सरकार जिम्मेदारी है।कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहलवान बेटियों से यौन शोषण के मामले में आरोपित भाजपा सांसद ब्रजभूषण सिंह के सहयोगी संजय सिंह को भारतीय कुश्ती महासंघ का नया अध्यक्ष चुने जाने के बाद साक्षी मलिक ने खेल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। किसान की बेटी साक्षी मलिक ओलिंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला पहलवान हैं।सुरजेवाला ने कहा कि मोदी सरकार बेटियों की सुनने के बजाय अपने सांसद बृजभूषण का सहयोग कर रही है।

राहुल गांधी से बातचीत के बाद नीतीश ने तेजस्वी को बुलाकर की मुलाकात

बीएनएम@पटना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का फोन आने के बाद बिहार में सत्ताधारी दल के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव को बुलाकर उनसे मुलाकात की। दोनों के बीच आधे घंटे बातचीत हुई। माना जा रहा है कि बिहार मंत्रिमंडल विस्तार सहित सीटों के बंटवारे पर चर्चा हुई है।

बिहार में जबसे महागठबंधन आकार में आया है तबसे मंत्रिमंडल विस्तार का मामला अटका हुआ है। अगस्त 2022 में नीतीश कुमार ने राजग से नाता तोड़कर महागठबंधन की सरकार बनाई थी। इसके बाद से ही कांग्रेस लगातार मंत्रिमंडल विस्तार की मांग कर रही है। कांग्रेस ने सरकार में मंत्रियों की संख्या बढ़ाए जाने को लेकर कई बार मांग की है। यहां तक कि खुद राहुल गांधी ने भी कुछ महीने पूर्व लालू यादव और नीतीश कुमार से इस मुद्दे पर बात की थी। माना जा रहा है कि बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कांग्रेस जल्द से जल्द इस मुद्दे को हल करना चाहती है। इसीलिए राहुल गांधी ने संभवतः नीतीश कुमार से इस मुद्दे पर बात की है। उनके फोन आने के बाद अब नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की मुलाकात हुई।

इतना ही नहीं राजद में भी मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा चल रही है। राजद के मंत्री कार्तिक सिंह उर्फ मास्टर भूमिहार जाति से हैं और राजद के बिहार प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे सुधाकर सिंह राजपूत बिरादरी से आते हैं। इन दोनों को मंत्री पद अलग-अलग वजहों से छोड़ना पड़ा था। तब से ही यह चर्चा जोरों पर है कि राजद इन दोनों जातियों के नेताओं को मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व कब देगी? ऐसे में लोकसभा चुनाव के पूर्व मंत्रिमंडल विस्तार कर तमाम तरीके की खींचतान पर विलंब लगाते हुए अब मंत्रिमंडल विस्तार किया जा सकता है।

उद्घोषिका से नीतीश कुमार का शरारतपूर्ण व्यवहार अत्यंत शर्मनाक : सुशील मोदी

बीएनएम@पटना

राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार ने महिला उद्घोषिका सोमा चक्रवर्ती को दोनों हाथों से सार्वजनिक मंच पर स्पर्श करते हुए उनके चेहरे के बहुत पास अपना मुंह ले जाकर जिस शरारतपूर्ण ढंग से 'आपका भी अभिवादन' कहा, वह अत्यंत शर्मसार करने वाली घटना है।

उन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि मुख्यमंत्री की गहरी यौन कुंठा के कारण उनके शब्दों, संकेतों और सार्वजनिक व्यवहार से महिलाओं को लज्जित-अपमानित करने की घटनाएं बार-बार हो रही हैं। मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार ने पिछले दिनों विधान मंडल के दोनों सदनों में प्रजनन दर रोकने की चर्चा करते हुए ऐसी भाषा का उपयोग किया, जिससे महिला सदस्य अपमानित महसूस कर रो पड़ी थीं।

उन्होंने कहा कि सदन में अपने अश्लील वक्तव्य के कारण नीतीश कुमार ने जीवन में पहली बार बिना शर्त क्षमा याचना की थी। इससे पहले वे भाजपा की महिला विधायक निकी हेम्ब्रम पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर चुके हैं। सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति को देखते हुए जदयू को अब नया नेता चुन लेना चाहिए, अन्यथा एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से महिलाओं के अपमान की कोई बड़ी घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि बिहार की चर्चित उद्घोषिका और वरिष्ठ रंगकर्मी सोमा चक्रवर्ती को साहस कर नीतीश कुमार पर यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराना चाहिए।

महिला क्रिकेट में बिहार नार्थ व बिहार वेस्ट विजयी

पटना। भाजपा क्रीड़ा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित चतुर्थ राज्यस्तरीय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी महिला क्रिकेट चैम्पियनशिप के तहत शुक्रवार को स्थानीय मनोज कमालियां स्टेडियम में खेले गये लीग मैच में बिहार नार्थ की टीम ने बिहार रेड को 06 विकेट में पराजित किया। आज के दूसरे खेले गये मैच में बिहार वेस्ट ने बिहार ग्रीन को 104 रनों से पराजित कर अंतिम 4 में प्रवेश किया। विजेता टीम बिहार नार्थ के प्रियंका कुमारी एवं बिहार वेस्ट के जुली को प्लेयर ऑफ दी मैच का पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर क्रीड़ा प्रकोष्ठ के सह-संयोजक राजीव रंजन यादव, विकास गोल्डी, जेपी मेहता, सुमित शर्मा, मोहित, अजय मुन्ना, कुमार कर्मवीर, कंचन, रिमझिम, डॉ श्वेता, रेणु, समीक्षा कौशिक, मीनू प्रसाद, डॉ रवि, रणधीर आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर मुख्यमंत्री ने की उच्चस्तरीय बैठक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देश कई राज्यों में बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कोरोना की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि हाल में ओमिक्रॉन परिवार का जेएन.1 वेरिएंट के कई मामले देश में मिले हैं। बिहार में भी कोरोना के दो ऐसे मामले आये हैं, जो राज्य में बाहर से आए लोगों में मिला है। उन्होंने बताया कि यह वेरिएंट बहुत घातक नहीं है। कोरोना के पाये गये दोनों मरीज होम आइसोलेशन में हैं और स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य विभाग कोरोना के इस नये वेरिएंट के प्रति पूरी तरह सतर्क है और इसके बचाव के लिए सभी जरूरी उपाय किये जा रहे हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए आरटीपीसीआर जांच की संख्या और बढ़ाई जाए। कोरोना के निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप अस्पतालों में दवा, उपकरण, बेड, ऑक्सीजन, मानव बल एवं अन्य सभी जरूरी व्यवस्थाओं की उपलब्धता रखें। उन्होंने कहा कि समुचित व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए सोशल मीडिया एवं अन्य प्रचार माध्यमों से लोगों को कोरोना के प्रति सतर्क एवं जागरूक करें। सीएम ने कहा कि अस्पतालों में सभी लोग मास्क का उपयोग करें। साथ ही कहा कि लोगों को पैनिक होने की जरूरत नहीं है। सभी लोग सजग एवं सतर्क रहें।

बिहार के भागलपुर में सरसंघचालक की सुरक्षा भेदकर शख्स ने दिया बुके, डीएसपी ने दबोचा

पटना (बिहार)। राज्य के भागलपुर स्थित ऐतिहासिक महर्षि मेंहीं कुप्पा घाट आश्रम पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ शुक्रवार को कुछ ऐसा हुआ, जिससे उनकी जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए। दरअसल, मोहन भागवत की जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा को भेदते हुए एक शख्स ने उन्हें बुके थमा दी। संघ प्रमुख ने भी मुस्कराकर बुके स्वीकार किया। इस घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि, शख्स के इरादे नेक थे। इस वजह से सरसंघचालक को अधिक समस्या नहीं हुई है। फिर भी चूक का एहसास होते ही सिटी डीएसपी ने उसे रोका और पकड़ लिया। साथ ही उसे संघ प्रमुख के पास से अलग कर बरारी पुलिस के हवाले कर दिया।

प्रारंभिक पूछताछ में शख्स की पहचान मुन्ना बाबा उर्फ गांधी के रूप में हुई है। वह कोतवाली तातारपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों का जत्था उससे सख्ती से पूछताछ कर रहा है। जिले के आला अधिकारियों से पटना पुलिस मुख्यालय के अधिकारी भी सुरक्षा में हुई इस सेंधमारी की घटना को लेकर पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। अखिल भारतीय संतमत सत्संग महासभा के महामंत्री दिव्य प्रकाश ने बताया कि शख्स का नाम मुन्ना बाबा है, जिसे आमंत्रित किया गया था। वह आश्रम आता-जाता रहता है लेकिन उसने जिस तरह व्यवहार किया उससे पुलिस को शक हुआ और उसे हटाया गया।

योजनाओं को पारदर्शिता गुणवत्ता एवं ससमय पूर्ण करना सरकार की प्राथमिकता: श्रवण कुमार

मधुबनी। जिला मुख्यालय स्थित डीआरडीए सभागार में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को समीक्षात्मक बैठक हुई। अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सभी बीडीओ प्रखंड में प्राप्त जनशिकायतों को पूरी गंभीरता से लेकर उसका त्वरित निष्पादन करेंगे। मंत्री ने निर्देश दिया कि योजनाओं को पूर्ण पारदर्शिता व गुणवत्ता के साथ ससमय पूर्ण करना सरकार की प्राथमिकता है। मंत्री ने सभी पीओ को निर्देश दिया कि मनरेगा के तहत गरीबो से जुड़ी रोजगारपरक योजनाओं को प्राथमिकता दी जाय। अपूर्ण इंदिरा आवास को तेजी के साथ पूर्ण किया जाय।

अवसर पर मंत्री ने सतत जीविकोपार्जन

के तहत ठेलेवाले,खोमचेवाले, रेहड़ीवाले,फुटपाथ पर व्यवसाय करने वाले आदि छोटे-छोटे व्यवसायियों की सहायता को लेकर विशेष प्रयास करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि जीविका दीदियों की आमदनी बढ़े व उनके जीवन मे अधिक से अधिक सुधार को लेकर परंपरागत कार्यो के अतिरिक्त नए नवाचारी कदम भी उठाया जाय। जिला के 48933 स्वयं सहायता समूहों को 1549 करोड़ रुपये का बैंक के साथ क्रेडिट लिंकेज किया गया गया।

डीडीसी विशाल राज ने जिला में संचालित ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के संबंध में पावर पॉइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। डीपीआरओ परिमल कुमार ने बताया कि समीक्षात्मक बैठक में सरकार की क्रियान्वित योजनाओं पर विस्तृत विमर्श हुई। जिला में ग्रामीण विकास विभाग की क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, इंदिरा आवास योजना, मुख्यमंत्री वास स्थल क्रय सहायता योजना, मनरेगा, पौधारोपण , जल जीवन हरियाली ,जीविका, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान आदि की चर्चा हुई। योजनाओं को ज्यादा से ज्यादा लेने का निर्देश दिया गया। अवसर पर निर्देशक डीआरडीए किशोर कुमार, डीपीओ मनरेगा डीपीएम जीविका सहित सभी बीडीओ पीओ उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रौद्योगिकी व समाज पर सेमिनार आयोजित

प्रकृति से प्रतियोगिता नहीं, समन्वय ही मानव सभ्यता बचाने का है उपाय: डॉ.जगदीश एन.

बीएनएम@मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर में समाजशास्त्र विभाग द्वारा शुक्रवार को एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन में सम्मानिय वक्ता के रूप में जेएनयू के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के पूर्व प्रोफेसर डॉ. संतोष के.कर व मुख्य-वक्ता के रूप में आइएनएसएसए के शोध काउंसिल सदस्य व दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के पूर्व प्रोफेसर डॉ.जगदीश एन सिन्हा मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ. संतोष के. कर ने कहा कि हमारी जिंदगी कई तरह की बिमारियों से प्रभावित हो रहा है जिसमें दुनिया में सबसे अधिक जान लेने वाले बिमारी में से एक मलेरिया है। आज भारत तेजी से विकास कर रहा है। लेकिन मच्छर जनित बिमारियों से निजात पाना अब भी मुश्किल हो रहा है। यह हम सबों के लिए बड़ी चुनौती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद डॉ. जगदीश एन सिन्हा ने कहा कि यदि विज्ञान को इतिहास की दृष्टि से देखा जाए और पढ़ा जाए तो आम विद्यार्थीयों और नागरिकों के समझ में भी आयेगा और समाज का सर्वांगीण विकास होगा।

इन सब से बढ़ कर यदि देखा जाए तो विकास की प्रक्रिया में हमें यह खास ध्यान रखना होगा कि हमें प्रकृति से रेस नहीं समन्वय बनाए रखना है।

कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. सुनिल महावर व सह संरक्षक के रूप में समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुजीत कुमार चौधरी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के समन्वयक समाजशास्त्र विभाग के सहायक प्रोफेसर मृत्युंजय कुमार यादवेन्दु ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. श्वेता ने किया। कार्यक्रम का आयोजन ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों मोड में किया गया जिसमें सैकडों की संख्या में प्रोफेसर, विद्यार्थी एवं सामाजिक कार्यकर्ता दोनों मोड में मौजूद रहे।

हाइवा-बैलगाड़ी की टक्कर, दो बैल समेत एक की मौत

मोतिहारी। जिले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मोतिहारी पकड़ीदयाल सड़क स्थित मसान चौक पर शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि इस घटना में दो बैल को भी अपनी जान गवांनी पड़ी। वही एक व्यक्ति गंभीर अवस्था में इलाजरत है। पुलिस के मुताबिक सुबह घने कोहरे के बीच सड़क से गुजर रही बांस लदी बैल गाड़ी में हाइवा ने ठोकर मार दिया, जिसमें बैल गाड़ी पर सवार एक व्यक्ति और दो बैल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया। सीओ, प्रभारी थानाध्यक्ष और जनप्रतिनिधियों के समझाने के बाद ग्रामीणों ने जाम को खत्म किया। मृतक की पहचान मच्छहां गांव के 50 वर्षीय हकीम प्रसाद के रूप में हुई है।वही जख्मी की पहचान उनके मजदूर अवधेश राम के रूप में हुई है। स्थानीय लोगो के अनुसार मृतक हकीम प्रसाद अन्य दिनों की भांति अपनी बैलगाड़ी से अपने मजदूर अवधेश राम के साथ बांस लेकर मोतिहारी शहर में बेचने जा रहे थे।

अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी उपेंद्र पाल ने दिया योगदान

बीएनएम@मोतिहारी

डीपीआरओ सह अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी उपेंद्र पाल ने जिला में योगदान देने के बाद शुक्रवार को जिला परिषद कार्यालय का निरीक्षण किया। पहली बार जिला परिषद कार्यालय आने पर पार्षद प्रतिनिधि व जिप कर्मियों ने जिला पंचायती राज पदाधिकारी सह अपर मुख्य कार्यपालक जिला परिषद उपेंद्र पाल को बुके देकर सम्मानित किया। जहां उन्होंने जिला परिषद के कर्मियों से मुलाकात कर कार्यालय का मुआयना किया। अपना दफ्तर सहित कांफ्रेंस हाल का घुमघुम कर देखा। सभी कर्मचारियों से रुबरु होते हुए विकास कार्यों पर चर्चा भी किए। इस दौरान जिला परिषद कर्मियों के अलावे कुछ पार्षदों ने भी अपनी बात रखी। नये और पुराने योजनाओं पर चर्चा करते हुए कहा कि विकासात्मक कार्यों में तेजी लाना होगा। ताकि विकास कार्य तेजी से चलता रहे। विकास के साथ कोई समझौता नही की जाएगी। साथ ही कहा कि आपसी सामंजस्य कायम करते हुए विकास को निरंतर आगे बढ़ाना ही लक्ष्य होना चाहिए। सभी लोग जब पुरी जिम्मेदारी से अपना अपना कार्य करेंगे तो विकास खुदबखुद धरातल पर दिखने लगेगा। इस दौरान मौके पर जिप प्रतिनिधि हेमंत किशोर वर्मा, विरेंद्र कुमार, नुर आलम के अलावे जिप कर्मी अर्जुन सिंह, रामभरोस, सुधीर कुमार, अमीत कुमार, आदित्य कुमार आदि मौजूद थे।

डॉ.सरिता तिवारी को मिला विशेष शोध अनुदान

बीएनएम@मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सरिता तिवारी को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) ने एक प्रमुख शोध अनुदान से सम्मानित किया है।

डॉ.सरिता तिवारी ने बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में पीएम उज्ज्वला योजना का आकलनः एक एसडीजी का परिप्रेक्ष्य शीर्षक वाली शोध परियोजना प्रस्तुत किया है, जिसका उद्देश्य पूर्वी चंपारण में प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना, इसके सामाजिक-आर्थिक निहितार्थों में अंतर्दृष्टि प्रदान करना और साक्ष्य-आधारित नीति सिफारिशों में योगदान देना है। बताते चले कि यह परियोजना संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुरूप है, जो एक व्यापक और दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रदर्शन करती है।

डॉ.तिवारी ने इस अवसर पर आईसीएसएसआर के प्रति आभार व्यक्त करते कहा है,कि यह अनुदान प्राप्त करके सम्मानित और उत्साहित महसूस कर रही हुँ। इस समर्थन ने मुझे राष्ट्रीय महत्व के विषय पर गहन शोध करने के लिए सक्षम बनाया है। इससे मैं अकादमिक और नीतिगत विमर्श के लिए अंतर्दृष्टि में अपना योगदान दे सकूँगी।

केविवि के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने डॉ. सरिता तिवारी के शोध प्रस्ताव को मान्यता मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते कहा कि यह शोध शैक्षणिक छात्रवृत्ति और सामाजिक विकास दोनों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि यह सफलता महात्मा गांधी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाने वाले सहायक और बौद्धिक रूप से जीवंत वातावरण को दर्शाती है।इस उपलब्धि के लिए विश्वविधालय के सभी शिक्षक व कर्मियो ने डॉ. तिवारी को शुभकामनाएं दिया है।

1969 में स्थापित आईसीएसएसआर एक प्रमुख भारतीय संस्थान है, जो भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय के रूप में कार्य करता है।जो शोध कार्य के लिए प्रतिष्ठित अनुदान का अनुमोदन करता है,ताकि देश के महत्वपूर्ण सामाजिक चुनौतियों का समाधान के साथ ही अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा सके।

विरोध | भारतीय संसद से विपक्षी सांसदों का निलंबन के खिलाफ

इंडिया गठबंधन ने किया विशाल विरोध मार्च

बीएनएम@बेतिया

भारतीय संसद से विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ इंडिया गठबंधन के आह्वान पर बेतिया में भाकपा माले के हजारों कार्यकर्ता सिकटा विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में शुक्रवार को रेलवे स्टेशन से विरोध मार्च शहीद पार्क पहुंचे वहा इंडिया गठबंधन के अन्य पार्टी के नेता कार्यकर्ताओं के साथ मिल पूरे शहर में विरोध मार्च किया। विरोध मार्च के दौरान लोकतंत्र की हत्या नही सहेंगे, संविधान पर हमला नहीं सहेंगे, हिटलर शाही नहीं चलीं तो मोदी शाही नहीं चलेगी, जो हिटलर का चाल चलेगा, वह हिटलर की मौत मरेगा, 144 सांसदों का निलंबन वापस लो आदि नारा लगा रहे थे।

बेतिया कलेक्ट्रेट के सामने सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह सिकटा विधायक वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता ने कहा की सरकार से जवाब मांगने के मामले में इससे पहले इतनी बड़ी संख्या में सांसदों का निलंबन कभी नहीं हुआ था।नइसलिए इस निलंबन को अभूतपूर्व कहा जा रहा है।फिलहाल मौजूदा सत्र में जिन सांसदों को निलंबित किया गया है, उनमें महुआ माजी जैसी नई सांसद से लेकर मनोज झा, जयराम रमेश, रणदीप सिंह सुरजेवाला, प्रमोद तिवारी में फ़ारूक़ अब्दुल्ला, शशि थरूर, मनीष तिवारी, डिंपल यादव जैसे पुराने और दिग्गज सांसद शामिल हैं।

उन्होंने कि मोदी सरकार "विपक्ष मुक्त" संसद देखना चाहती हैम इसीलिए उसने ये कदम उठाया है। ऐसा करके मोदी सरकार ने "लोकतंत्र का गला घोंटा" है। मोदी सरकार "विपक्ष मुक्त" देश की बात इसीलिए करती है ताकि अपनी "मनमानी" कर सके। विधायक ने इसे संसद और लोकतंत्र पर "हमला" बताया है। सरकार "विपक्ष मुक्त" संसद चाहती है ताकि अहम बिलों को मनमाने ढंग से पारित करा सके।

झपटमारो की चपेट में आने से ट्रेन से गिरी घायल छात्रा की हुई मौत

मोतिहारी। जिले के सुगौली रेलवे स्टेशन पर बीते 17 दिसबंर को दारोगा बहाली की परीक्षा देने जा रही छात्रा सलोनी जो ट्रेन में मोबाइल झपटमारो की चपेट में आकर ट्रेन से गिर कर घायल हुई थी। शुक्रवार की सुबह पटना में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना में मृत छात्रा सलोनी का हाथ और पैर दोनो कट गया था।

उल्लेखनीय है कि इस दर्दनाक घटना के बाद रेल पुलिस के हाथ अभी भी खाली है। हालांकि रेल पुलिस की अधिकारियो की टीम असली अपराधी को पकड़ने में दिन-रात एक किए हुए हैं। इसको लेकर रेल एसपी डा.कुमार आशीष के निर्देश पर गठित एसआईटी टीम के सदस्य बेतिया डीएसपी उमेश कुमार,नरकटियागंज पुलिस निरीक्षक प्रदीप कुमार, सुगौली रेल पुलिस इंस्पेक्टर संदीप कुमार,सुगौली रेल थानाध्यक्ष सहित दर्जनों रेल पुलिस के अधिकारी व रेलवे सुरक्षा बल के जवान ताबडतोड़ छापेमारी कर रहे है। इसी क्रम में एसआईटी की टीम ने चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें सुगौली नौवाडीह के बबलू गिरी, मुजफ्फरपुर जिला के अहियापुर थाना के सुरेश गोस्वामी का पुत्र दिलीप कुमार,पश्चिमी चंपारण जिले के शिकारपुर थाना के सितुआपुर गांव के कमरुल मियां का पुत्र नवरेज आलम और नेपाल के महमूद नादाब का पुत्र मोजाहिद नादाब शामिल हैं। जिनके पास से अपराधिक गतिविधि में व्यवहार किए जाने वाले सामान जैसे कटर,चाकू, ब्लेड,सर्जिकल ब्लेड, स्क्रू ड्राइवर और पलास सहित अन्य सामान बरामद किए गए हैं।

के के पाठक के बेतिया पहुंचने पर मचा रहा हड़कंप, विद्यालय और डायट का किया निरीक्षण

बेतिया। स्कूल के छात्र-छात्राएं विशेष कक्षा का लाभ ले। इससे कमजोर बच्चों को काफी सहायता मिलेगी। उक्त बाते शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने शुक्रवार को विपिन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में छात्रों को कही। उन्होंने बच्चो को कहा कि विद्यालय में कितनी बजे तक पढ़ाई होती है। आपलोग कितने बजे तक स्कूल में रहते है।

प्रधानाध्यापक से पूछा कि शिक्षक छह घंटी क्लास लेते हैं कि नहीं।जिस पर विद्यालय प्रधान ने कहा कि सभी शिक्षक छह घंटी क्लास लेते हैं। इस पर पाठक ने कहा कि हाई स्कूलों में सभी शिक्षकों को प्रति दिन छह घंटी क्लास लेना अनिवार्य है।जिले भर के स्कूलों व शैक्षणिक संस्थानों में अपर मुख्य सचिव के आगमन को लेकर हड़कंप मचा रहा। गुरूवार की देर रात बेतिया पहुंचे के के पाठक रात में परिसदन में रूके। शुक्रवार की सुबह करीब

10.25 बजे पाठक जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय व अन्य अधिकारियों के साथ समाहरणालय के सामने स्थित विपिन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचे। जिले के दौरे पर पहुंचे शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक ने शुक्रवार को जिले के विभिन्न स्कूलों व डायट कुमारबाग का औचक निरीक्षण किया।

अपर मुख्य सचिव के जिले में आगमन को लेकर पूरा का पूरा शिक्षा महकमा अलर्ट मोड पर रहा। यहां अपने काफिले से उतरते ही उन्होंने पुछा प्रधानाध्यापक कौन है। जब प्रधानाध्यापक राजीव रंजन उनके पास पहुंचे तब उन्होंने कहा कि आप ही प्रधानाध्यापक हैं चलिए मुझे वर्ग कक्ष, शौचालय, प्रयोगशाला दिखाइए। इसके बाद वे एक वर्ग कक्ष में पहुंचे जहां नौवीं की छात्राओं ने खड़ा हो उनका वेलकम किया।

पाठक ने छात्राओं से पूछा कि यहां ठीक से पढ़ाई होती है कि नहीं, कौन कौन साढ़े तीन के बाद रूक कर विशेष कक्षा में पढ़ाई करते हैं। इस पर कुछ छात्राओं ने हाथ उठाए तो उन्होंने कहा कि बहुत अच्छा आप लोग साढ़े तीन के बाद रूक कर खुब पढ़ाई करें। दसवीं व बारहवीं के छात्र परीक्षा की तैयारी करें। इसके बाद उन्होंने शौचालय व साइकिल स्टैंड का निरीक्षण किया।यहां उन्होंने प्रधानाध्यापक से पूछा कि विद्यालय में कितने बच्चे नामांकित हैं तथा कितने उपस्थित हैं।

भाकपा माले ने निकाला विशाल प्रतिरोध मार्च

मोतिहारी। विपक्षी दलों के 150 सांसदों के निलंबन के खिलाफ इंडिया गठबंधन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर भाकपा माले ने मोतिहारी चरखा पार्क से सदर अस्पताल होते हुए अंबेडकर चौक तक विशाल प्रतिरोध मार्च निकालकर अंबेडकर चौक पर सभा किया। सभा को संबोधित करते हुए माले नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार देश में फासीवादी शासन चलाना चाहती है।

अपने विरुद्ध उठने वाला विरोध की हरेक आवाज को कुचलना चाहती है। साथ ही विपक्ष विहीन संसद, विरोध विहीन सड़क और लोकतंत्र विहीन देश बनाना चाहती है। लेकिन ये तानाशाही चलने वाला नही है। देश की जनता इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और 2024 में मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी। इंडिया गठबंधन के बैनर तले आज से पूरे देश में इसकी शुरुआत हो गई। जनता के जरूरी मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, जमीन और आवास के सवाल पर आंदोलन तेज होगा। देश में संविधान और लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।

संविधान में मिले अधिकारों और बोलने की आजादी की रक्षा के लिए आरपार की लड़ाई होगी। हिटलरशाही शासन को देश बर्दाश्त नहीं करेगा। संसद की सुरक्षा में सेंध कैसे लगी ? इस सवाल का जवाब देने के बजाय मोदी सरकार ने सदन से विपक्षी सांसदों को ही बाहर कर दे रही है ताकि कोई सवाल नही उठाए। इसके पहले अडानी के पास 20 हजार करोड़ रुपए कहां से आए और किसका था? यह सवाल संसद के भीतर उठाने पर राहुल गांधी की सदस्यता भी खत्म कर दिया गया था। इतना ही नही न्यूज क्लिक पर अभी भी दमन की प्रक्रिया जारी है।

सरकार के नीतियों के आलोचना करने वाले 50 से ज्यादा पत्रकारों, प्रोफेसरों, लेखकों, वकीलों, मानव अधिकार कार्यकर्ताओं को झुठे आरोप लगाकर जेल में बंद कर दिया गया है। सांप्रदायिक एजेंडे को सरकार आगे बढ़ाकर देश में नफरत और विभाजन पैदा कर रही है। वहीं दूसरी तरफ देश के सारे संसाधनों को अपने पूंजीपति मित्रों अंबानी और अडानी के हवाले कर रही है। जिससे उनकी संपति दिन दूनी और रात चौगुनी बढ़ते जा रही है और आम लोग कंगाल होते जा रहे हैं। भुखमरी, बेरोजगारी चरम सीमा पर है। किसान आत्महत्या करने पर मजबूर हो गए हैं। धरना के माध्यम से नेताओं ने अविलंब 150 सांसदों को निलंबन वापस लेने और लोकतंत्र बहाल करने की मांग की है। धरना को भाकपा माले जिला सचिव प्रभुदेव यादव, राज्य कमिटी सदस्य विष्णुदेव प्रसाद यादव, रूपलाल शर्मा, जीतलाल सहनी, किसान महासभा के जिला संयोजक शंभुलाल यादव, ऐक्टू नेता अच्युतानंद पटेल, दिनेश कुशवाहा, भाग्यनारायण चौधरी, भोला साह, मोहम्मद इसराफिल, अतिउल्लाह मियां, राजकुमार शर्मा, सुधीर कुमार, भैरव दयाल सिंह, रंजन कुमार, अशोक कुशवाहा, राघव प्रसाद आदि नेताओं ने संबोधित किया।

फर्जी प्रमाण-पत्र मामले में दो सेविकाओं पर हुई प्राथमिकी दर्ज

बगहा। बाल विकास परियोजना कार्यालय बगहा 2 बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कार्यालय से निर्गत पत्र के आलोक में वाल्मीकि नगर थाने में थाना क्षेत्र की दो सेविकाओं पर फर्जी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

जिला प्रोग्राम पदाधिकारी के कार्यालय के पत्रांक 1871 दिनांक 20 दिसंबर 2023 के द्वारा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी बगहा दो को लक्ष्मीपुर-रमपुरवा पंचायत के केंद्र संख्या 318 और 05 रीना देवी और सावित्री देवी पर फर्जी प्रमाण-पत्र के आधार पर नियुक्ति लेने मामले में विभागीय कार्रवाई की गई है।

वाल्मीकि नगर थानाध्यक्ष विजय कुमार राय ने बताया कि विभागीय पत्र के आलोक में कांड संख्या 125/23 दर्ज करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

नाम स्पष्टीकरण

मेरा नाम शशि भूषण कुमार उर्फ कृष्ण कांत कुमार, पिता- देव चंद्र प्रसाद, ग्राम- महदेवा, पो. खुरहिया, थाना-घोड़ासहन जिला पूर्वी चंपारण का रहने वाला हूं। मैं शशि भूषण कुमार तथा कृष्ण कांत कुमार दोनों ही नाम से जाना जाता हूं।

पहले मेरा आधार कार्ड कृष्ण कांत के नाम से था, लेकिन बाद में मैं उसे अपने लीगल (कानूनी दस्तावेज पत्र) के अनुसार शशिभूषण कुमार करवाया, जो कि मेरा वास्तविक नाम शशिभूषण कुमार और कृष्ण कांत कुमार दोनों नाम से जाना जाता है।

मोतिहारी, सुगौली में किया विद्यालय का निरीक्षण, दिये कई निर्देश

मोतिहारी। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के के पाठक शुक्रवार को बेतिया से मोतिहारी पहुंचे। जहां उन्होने सुगौली प्रखंड के दक्षिणी सुगांव पंचायत के उत्क्रमित उच्च विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने विद्यालय के वर्गों में जाकर छात्रों से पढ़ाई की व्यवस्था सहित अन्य जानकारी प्राप्त किया। ली। साथ ही विघालय परिसर के खाली जगह में बीच मे 2 का भवन बनवाये जाने से बच्चों के लिए खेल के मैदान में कमी के मद्देनजर सर्व शिक्षा अभियान के इंजीनियर की जम कर क्लास लिया। साथ हीं उन्होने विद्यालय के पुराने जर्जर भवन को तोड़वाने का निर्देश दिया, ताकि छात्रो को खेलने का जगह मिल सके।

उन्होने क्लास रूम में पर्याप्त रोशनी और पंखे की भी एचएम को निर्देश दिया कि हर हाल बच्चो के अभिभावको के साथ सप्ताहिक बैठक व विद्यालय का संचालन पांच बजे तक सुनिश्चित करे।इस दौरान उन्होंने स्कूल परिसर की साफ-सफाई का भी अवलोकन किया।जिसके बाद वे विद्यालय में चल रहे क्लास में जाकर छात्रो से विद्यालय में शिक्षक ठीक से नियमित पढ़ाते है या नही।स्कूल में चल रहे मध्याह्न भोजन ठीक ढंग से और मेनू के अनुसार मिल रहा है या नही। इस दौरान उन्होने प्रधानाध्यापक संजीव कुमार मिश्र से भी कई जानकारी प्राप्त किया।

उल्लेखनीय हैकि अपर मुख्य सचिव के आगमन की खबर से पूरे जिले के शिक्षा महकमा के अधिकारी,शिक्षक व अन्य लोगों में हड़कंप मचा हुआ था।इसको लेकर सुबह से ही जिले के सीमा श्रीपुर चौक पर जिला व स्थानीय अधिकारी उनके बेतिया से आने का घंटों इंतजार करते दिखे,जैसे ही उनका काफिला पूर्वी चंपारण के सीमा श्रीपुर पहुंचा।वैसे ही सभी लोग उनके साथ शामिल हो गए।

BORDER NEWSMIRROR

Saturday 23 December 2023

Editorial

कौन पहुंचायेगा सरकारी संपत्ति को नुकसान

जिस बात का देश से प्रेम करने वाले हरेक नागरिक को विगत दशकों से इंतजार था, वह अब हो गई है। अब किसी आंदोलन के दौरान कथित आंदोलनकारी सरकारी या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचा सकेंगे। यदि नुकसान पहुंचाया तो उन्हें सख्त सजा होगी। हमारे यहां सरकार से अपनी मांगों के समर्थन में आंदोलन करने वाले आमतौर पर सरकारी बसों, इमारतों, रेलों और दूसरी सार्वजनिक सम्पतियों को बेशर्मी से तोड़ते रहे हैं। कहना न होगा आजाद भारत में इस कारण से सत्तर सालों में अरबों-खरबों रुपये का नुकसान हुआ। जिन्होंने नुकसान किया उन्हें किसी ने कुछ नहीं कहा। वे दशकों से मौज करते रहे। उनमें से कई बड़े नेता भी बन गए। पर अब आगे किसी ने सरकारी संपत्तियों को हानि पहुंचाई तो लेने के देने पड़ जाएंगे। इसलिए ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पिछले मंगलवार को संसद में पेश भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023 के अपडेटेड वर्जन में आतंकवाद के कृत्यों से निपटने वाली धारा 113 में संशोधन किया गया है। इसमें 'आतंकवादी कृत्य' में देश की आर्थिक सुरक्षा और मौद्रिक स्थिरता पर हमले भी शामिल किये गये हैं। संसद की स्थायी समिति की ओर से सुझाए गए संशोधनों को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून सत्र में सदन में पेश किए गए भारतीय न्याय संहिता विधेयक, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, 2023 और भारतीय साक्ष्य विधेयक, 2023 को वापस लेने का प्रस्ताव रखा जिसे सदन ने मंजूरी दी। इसके बाद उन्होंने नए विधेयकों को पेश किया। भारतीय न्याय संहिता विधेयक की धारा 113(1) में प्रावधान है कि अगर कोई व्यक्ति ऐसी मंशा या हरकत करता है, जिससे देश की संप्रभुता, एकता, अखंडता को नुकसान या खतरा पैदा होता है, या आतंकी घटना की मंशा रखता हो, आतंकी हमले करता हो, इसके लिए बम, हथियार, केमिकल, बॉयोलॉजिकल हथियार और जहर आदि का इस्तेमाल करता हो, जिससे जान-माल का नुकसान हो तो ऐसे मामले में दोषी शख्स को उम्रकैद या फांसी की सजा तक हो सकती है।

किसानों की बुलंद आवाज

रमेश सर्राफ धमोरा

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह कहा करते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उनका कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। इसीलिए देश के लोगो का आज भी मानना है कि चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। उन्होंने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके, इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का संपूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे। चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहांत हुआ तो देश के किसानों ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलंद करते हुए आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अंत ही देश को आगे ले जा सकता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर,1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारंभ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोड़ने के समर्थन में चरण सिंह ने हिंडन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हें 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किए गए। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है। चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुख-दर्द को नजदीक से देखा-जाना था। इसलिए उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे। आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुए हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केंद्र व राज्य सरकारें भी किसानों के भले की योजनाएं बना पाने में नाकाम रही है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

उत्तर प्रदेश: कैसे बना भारत की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

शिवेश प्रताप सिंह

योगी ने कभी बीमारु माने जाने वाले उत्तर प्रदेश को विकास की दौड़ में अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है। विश्लेषण मंच एसओआईसी के अनुसार सेंसेक्स तथा क्रेडिट लियोनिस सिक्योरिटीज एशिया आधारित रिपोर्ट्स के हिसाब से देश की जीडीपी में हिस्सेदारी के मामले में उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर आ गया है। यह परिणाम योगी सरकार द्वारा किए जा रहे अहर्निश, ईमानदार एवं अनथक प्रयासों का परिणाम है। देश की कुल जीडीपी में महाराष्ट्र 15.7 प्रतिशत जीडीपी योगदान के साथ पहले पायदान पर है तो वहीं उत्तर प्रदेश 9.2 प्रतिशत जीडीपी के साथ दूसरे स्थान पर है। बीते कुछ समय से तमिलनाडु से कांटे की टक्कर में उत्तर प्रदेश को अब बढ़त मिली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य रखा है। आइये जानते हैं की योगी का उत्तरप्रदेश कैसे आज से सात साल पहले असंभव से लगने वाले इस लक्ष्य को हासिल कर आगे बढ़ते हुए भारत के जीडीपी योगदान में प्रथम स्थान हासिल करने हेतु निरंतर प्रगतिशील है। किसी भी प्रदेश के लिए ऐसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए मात्र घरेलू बाजार की निर्भरता को खत्म कर अपने निर्यात से पूरी दुनिया में व्यापारिक पैठ बनाने की आवश्यकता होती है। घरेलू बाजारों की मांग एवं क्रय शक्ति सीमित होती है जो एक सीमित राजस्व ही पैदा करने में सक्षम होती है। एक्सपोर्ट के माध्यम से एक विशालकाय बाजार के साथ अच्छे लाभ एवं राजस्व प्राप्ति का रास्ता भी खुलता है। योगी सरकार को निर्यात का महत्व पता है इसलिए सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ऐसी नीतियों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे निर्यात प्रोत्साहन को प्रदेश में बढ़ावा मिले योगी सरकार के गंभीर प्रयासों के कारण ही कोविड जैसी महामारी की विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए भी उत्तर प्रदेश का निर्यात पिछले छह वर्षों में लगभग दोगुना हो गया है। उत्तर प्रदेश के राज्य निर्यात प्रोत्साहन ब्यूरो के डेटा के अनुसार 2016-17 में प्रदेश का निर्यात 84,000 करोड़ रुपये का था जो 2022-23 में बढ़कर दोगुने से अधिक यानी 1,74,000 करोड़ रुपये का हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में सरकार द्वारा दो लाख करोड़ रुपये के निर्यात का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह सूचनाएं सिद्ध करती हैं कि कभी बीमारू राज्य का टैग लेकर घूमने वाला उत्तर प्रदेश योगी सरकार की क्रांतिकारी नीतियों के कारण भारत का नया एक्सपोर्ट हब बनने जा रहा है। उत्तर प्रदेश का 60 प्रतिशत निर्यात दुनिया के 10 देशों वियतनाम, नीदरलैंड, फ्रांस, चीन, मिश्र, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, यूनाइटेड किंगडम तथा जर्मनी को होता है। 2022-23 में सबसे अधिक निर्यात 32,800 करोड़ अमेरिका को, 14,300 करोड़ संयुक्त अरब अमीरात को तथा लगभग दस-दस हजार करोड़ जर्मनी एवं यूनाइटेड किंगडम को हुआ। उत्तर प्रदेश से वर्तमान में सबसे अधिक निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं, दूरसंचार उपकरण, कॉटन, कृत्रिम फाइबर आदि के साथ गेहूं, चावल, कालीन एवं हस्तशिल्प भी महत्वपूर्ण निर्यात सामग्री है। परंतु चौंकाने वाली बात यह है कि इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं उत्तर प्रदेश के संपूर्ण निर्यात का 18.9 प्रतिशत है। इसके बाद कपड़ा उद्योग 9.5 प्रतिशत का योगदान करता है। केंद्र की मोदी सरकार ने राज्यों के निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए देशभर के कुछ महत्वपूर्ण शहरों को सेंटर ऑफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस घोषित किया है जिससे कि निर्यात को एक समेकित विकास में सम्मिलित किया जा सके।एक्सपोर्ट एक्सीलेंस वाले शहरों में ऐसे शहरों को चयनित किया जाता है जिसकी उत्पादन सीमा 750 करोड रुपये से अधिक की हो और निर्यात क्षमता भविष्योन्मुख हो। आज भारत भर में केंद्र सरकार के द्वारा चिह्नित किए गए 43 सेंटर आफ एक्सपोर्ट एक्सीलेंस हैं। इनमें 12 सेंटर अकेले उत्तर प्रदेश में हैं जो इस प्रदेश के निर्यात सामर्थ्य को बनाते हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

विविधा

पुस्तक समीक्षा :स्त्री पुरुष समानता का पोषक कविता संग्रह है 'सहसा कुछ नहीं होता'

शिवकुमार शर्मा

कविता किसी विषय को दिल से दिलों तक पहुंचाने की अन्यतम विधा है।कविता सामाजिक विषयों का दर्पण है,कविता दर्शन और रचनात्मक विचारों का लोकार्पण है। कवयित्री रक्षा के 168 पृष्ठीय संग्रह में एक सो ग्यारह कवितायें संकलित हैं।

कविता संग्रह में नारी जीवन के विभिन्न पहलुओं को उनके आयतन, क्षेत्रफल, जड़त्व, गुरुत्व का विश्लेषण करते हुए भिन्न भिन्न दृष्टिकोण से परिभाषित ही नहीं किया अपितु नारी की नियति और नारी जीवन के बाह्य-अभ्यंतर सत्य को दृढ़ता पूर्वक उद्घाटित किया गया है। एक ओर उनकी कविताओं मेंऔरत की दशा को चिंतन का विषय बनाकर सामाजिक पटल पर रखा गया है तो वहीं दूसरी ओर पाशुविक व्यवहार की पराकाष्ठा के पार जाकर स्त्री की पीड़ा को घनीभूत करने वाली विडंबनाओं को भी उकेरा गया है।

रक्षा जी की कविताएं नारी के प्रति नृशंश व्यवहार पर सीधे मिसाइल की तरह से प्रहार करने वाली है। रचनाकार अपनी कविताओं में संसार की रचनाकार की कोमल भावनाओं, करुणाशीलता और सहनशीलता की कथा कहतीं दृष्टिगोचर होती हैं तो वही दूसरी ओर विकसित कहे जाने वाले समाजों में स्त्री के ठगे जाने की व्यथा को प्रकट करने से भी नहीं चूकतीं हैं।

उनकी कविताएं प्रकृति, मानव प्रवृत्ति, राजनीति, लोकनीति, बहुत से विषयों को छूतीं है तो रीति-नीति का विश्लेषण करतीं तथा कुरीति और अनीति के समापन का सुझाव देती हैं। कविता 'प्रोडक्ट' में उपभोक्तावाद और नारी की दशा तथा 'व्यथा' में कन्या भ्रूण हत्या एवं 'कुवेराक्षी' में जिस्मफरोशी का दर्द उजागर हुआ है। शीर्षक'अच्छी औरतें'और'चरित्रहीन औरतें' स्त्री के प्रति सोच और व्यवहार पर करारा तमाचा है।

औरत के हिस्से में आया 'अधूरी नींद का पूरा सपना' तथा अपने ही उत्सव में शाम तक श्री हीन हो चुकी होती घर की लक्ष्मी' दर्द भरा यथार्थ है। स्त्री लता है। कवयित्री अपेक्षा करती है पेड़ की मजबूती किसी और लता के लिए थी,खुद क्यों नहीं हो जाती है पेड़ वह कविता दियासलाई में दुनिया को बताना चाहती है कि वह मोमबत्ती और दियासलाई जो रोशन करने के साथ-साथ माद्दा रखती है दुनिया को खाक कर देने का भी।

'जीवन की सांझ' जेंडर इक्वलिटी पर लिखी गई टीका है। कविता 'सवामणी' गरीबशास्त्र का सार संक्षेप है। प्रोडक्ट, मिक्सर, सिंफनी, ग्रे शैड नेल कटर, कवर, फेसबुक कपल, ब्रांडेड बार,स्वीट कॉर्न जैसे आंग्ल भाषा के शब्दों का समरसता पूर्वक किया गया प्रासंगिक प्रयोग भी भाषाई दृष्टि से पाठकों को खटकने वाला नहीं है।

वहीं दफ़्तर इंतेहाई, खूबसूरत, तरबियत, बेतरतीब, महफ़ूज़, शातिर, खफ़ीफ़, मुतमइन जैसे अरबी तथा आबाद, ज़ुम्बिश, शोख जर्द गुज़स्ता, दरमियान, खुशहाल, पेशानी पेशीदगी आदि फारसी शब्दों का प्रयोग भी माकूल ढंग से किया गया है।

भाषा का भाव के साथ अप्रतिम साम्य देखने को मिलता है।' मुट्ठी में बंद वर्फ की मानिंद' तथा 'मुट्ठी में बंद रेत सा सरकना' जैसी उपमाएं दृष्टव्य है।

कविता काव्य की कसौटी पर कैसी है यस मुतबहिरर या कृतमुख का विषय है। 'जहां मुस्कान आभूषण हैं और ठहाका वर्जित'ऐसे हालातों में औरत परवरिश और परिवेश के बीच संतुलन साधती नजर आती है।

कठोरता से न को कहने के लिए समूचे नारी जगत का आवाहन कृति कविताएं स्त्री पुरुष समानता का अनुष्ठान पूरा करने के लिए मूल मंत्र हैं।

कविता 'उस दिन' की पंक्तियां जब स्त्री की देह नहीं वल्कि उसका परिश्रम, पसीना बने, कविता के लिए सौंदर्य का उपमान, उस दिन धरती का अपनी धुरी पर संतुलन सबसे ज्यादा होगा शक्ति तत्व की महत्ता प्रतिपादित करती हैं।

समाज में स्त्री के प्रति सोच में अपेक्षित बदलाव की दिशा का निर्धारण स्त्री पुरुष समानता के मानदंडों की स्थापना में रक्षा जी की कविताएं नींव की ईंट साबित होगीं।

पुस्तक का नाम -सहसा कुछ नहीं होता (कविता संग्रह)
रचनाकार -रक्षा दुबे (चौबे)
प्रथम संस्करण -2021
प्रकाशक बोधि प्रकाशन,जयपुर मूल्य- 175/-

Shivkumarbhind@gmail.com

आत्मविश्वास : आत्मज्ञ ही हो सकता है आत्मविश्वासी

सिद्धार्थ अर्जुन, कवि/लेखक

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है।

टूटते और बिखरते हुये लोगों को प्रायः यह सलाह दी जाती है कि वह अपना आत्मविश्वास न खोयें, महान लोगों के बारे में भी कहा जाता है कि अमुक-अमुक जन बड़े आत्मविश्वासी थे।

वास्तविकता भी यही है कि आत्मविश्वास एक बहुत ही अद्भत चीज है परंतु मुझे जो बात सबसे ज़्यादा खटकती है वह यह कि लोग कहते हैं कि आत्मविश्वास मत खोना, कोई भी आत्मविश्वास अर्जित करने की बात नहीं करता..कोई यह चर्चा नहीं करता कि आत्मविश्वास पाया कैसे जाये, अब जो चीज़ सामने वाले के पास है ही नहीं आप उससे वह चीज न खोने देने की बात कर रहे हैं,ऐसे में उसका क्या भला होगा,उल्टे परेशानी बढ़ना तय है।

हम बात करेंगे आत्मविश्वास अर्जित करने के बारे में,अगर मैं आपसे यह प्रश्न करूँ की आत्मविश्वास क्या है तो आपका जवाब क्या होगा? आत्मविश्वास के बारे में मैंने जो पाया वह यह कि आत्मविश्वास एक मानसिक अवस्था है,वह अवस्था जिसमें हमें अपनी सामर्थ्य का विधिवत बोध होता है और यह तो शास्वत सत्य है कि बुद्ध विचलित नहीं होते, आत्मविश्वास को अर्जित करना भी बोध तक की यात्रा है जिस क्षण आपको बोध हो गया उसी क्षण आपमें आत्मविश्वास प्रस्फुटित हो जायेगा,फिर आपको उसे खोने से बचाना होगा। अब प्रश्न यह होगा कि बोध कैसा ? इस प्रश्न का उत्तर भी एक प्रश्न में निहित है वह प्रश्न यह है कि आप विश्वास किस पर करते हैं,अर्थात विश्वास का मानक क्या है? मेरी खोज कहती है कि विश्वास का मानक है जानना,अर्थात हम विश्वास उसी पर करते हैं जिसे हम जानते हैं और विश्वास करना भी उसी पर चाहिये जिसे हम जानते हों,यहाँ पर जानने का अर्थ थोड़ा गहरा है अतः तलहटी में हाथ-पैर पटक कर इसका अर्थ लगाने की त्रुटि कदापि न करें, यह स्पष्ट हो चुका है कि विश्वास का मानक है जानना, अब आइये आत्मविश्वास पर तो आत्मविश्वास का मानक भी 'जानना' ही होगा,किसे जानना?

'आत्म' को...अर्थात आत्मविश्वास का मानक है 'स्वयं को जानना' जब आप स्वयं को जानते होंगे तभी आपको स्वयं पर विश्वास हो सकता है, कह सकते हैं कि आत्मज्ञ ही आत्मविश्वासी हो सकता है तो हम जिस प्रश्न को लेकर चले थे कि बोध कैसा,तो उसका उत्तर है आत्मबोध अर्थात अपनी शक्ति और अपनी प्रवृत्ति का बोध, उदाहरण के तौर पर देखिये सूरज को, नदी को, समुद्र को...यह कभी विचलित नहीं होते क्योंकि इन्हें आत्मबोध होता है। इस प्रकार आत्मविश्वास के प्राकट्य का मार्ग यही है कि आप अपने अंदर की यात्रा करें अपने आपको समझें,अपनी सामर्थ्य को जाने,फिर उसके बाद यह बात अच्छी लगेगी जब कोई कहेगा कि आत्मविश्वास खोने मत देना,क्योंकि इस समय तक आपके पास आत्मविश्वास होगा।

आत्मविश्वास का अध्याय यहीं पर समाप्त नहीं होता परंतु आत्मविश्वास की आधारशिला यहीं से शुरू होती है तो चलिये प्रयास करते हैं,आत्म को जानने का अर्थात आत्मविश्वासी होने का।

नमिता गुप्ता मनसी उत्तर प्रदेश, मेरठ

जब कभी..वह आदमी

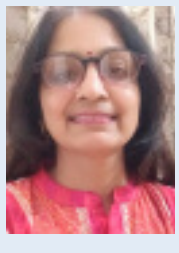

जब कभी..वह आदमी
बनना चाहता है
थोड़ा सा इंसान,
विरोध के स्वर
हो जातें हैं और भी प्रखर!!

जब कभी..वह आदमी
थोड़ा सा प्रेम चाहता है
समय की दीवारें
रचती हैं साजिशें!!

जब कभी..वह आदमी
चाहता है
थोड़ा सा एकांत,
एक शोर गूंजने लगता है
अंतस में!!

जब कभी..वह आदमी
लिखना चाहता है एक कविता
सिर्फ स्वयं के लिए,
अनपढ़ सी हो जाती हैं
सारी इच्छाएं!!

और..
जब कभी..वह आदमी
मसीहा कहलाता है
परिवर्तित हो जाता है चुपचाप
ईश्वर में!!

शिवानन्द सिंह 'सहयोगी' मेरठ

मनु को कष्ट नहीं होना है
होगा प्रलय!
किंतु यह सच है,
सब कुछ नष्ट नहीं होना है।
प्रकृति हमारी प्राणदायिनी,
नहीं मरेगी,
आया हो कोई दुख अविहित,
स्वयं हरेगी,
होगा अनय!
किंतु यह सच है,
मन यह तष्ट नहीं होना है।
किसी भयानक डर,
अकाल से, नहीं डरेगी,
बुरे दिनों के,
हर हालत में,पेट भरेगी,
होगा डयन!
किंतु यह सच है,
पहिया भ्रष्ट नहीं होना है।
अंतरिक्ष, संपूर्ण लोक का,
एका होगा,
काम सभी झटपट निबटेंगे,
ठेका होगा,
होगा चयन!
किंतु यह सच है,
मनु को कष्ट नहीं होना है।

©सरस्वती धानेश्वर भिलाई छत्तीसगढ़

मुखौटा

सियासत जब अपना मुखौटा खोल देती है
इंसानियत फिर अपने,सब्र को आजमाना छोड़ देती है!
साजिशें बुलंद होती हैं,जब अमीरी की पनाहों में,
सच्चाई फिर अपना दामन छोड़ देती है!
रचते हैं स्वांग वो बन- बन कर मदारी,
दुनिया फिर उनके इशारों पर नाचना छोड़ देती है!
हुकुमतें सजकर, गलियारों से पहुंचती हैं जब संसद तक,
बनकर बेदर्द, ये आम आदमी का आशियाना तोड़ देती हैं!
मतलबी जालिम हैं, पैमानों पर दम भरती हैं
जीत के मद में ये सीना ताने चलती हैं
जाम उछालते हुए लोगों को छलती हैं!
जाने कितनी काली करतूतें हैं, इन बेगैरत सौदाईयों की,
लगाकर गरीब की बस्ती में आग, खड़े होकर बुझाने का दंभ भरतीं हैं!
बेसहारा मजलूमों को जब पड़ जाती है, बेदर्द बेड़ियों की आदत,
मायूस होकर आंखें,मूक तमाशबीन बनतीं हैं!
बचकर रहना ही मुनासिब है इन आस्तीनी सांपों से,
पिलाया गर दूध तो ये पलट वार करतीं हैं!
ये सियासत है साहब गिरगिट की तरह रंग बदलतीं हैं!

ये एक्सरसाइजेस आपको रखेंगी फिट और स्मार्ट

अपने स्वास्थ्य को लेकर हम सभी कुछ नई और अच्छी हैबिट्स अपनाने की सोचते हैं जिसमें फिटनेस सबसे टॉप पर होता है लेकिन कैसी एक्सरसाइजेस से इसकी शुरुआत करें ये समझ नहीं आता। किसी को अपना पेट कम करना है तो किसी को वेट, वहीं किसी को बाइसेप्स बनाने हैं तो किसी को ओवरऑल बॉडी टोन करनी है। इसकी वजह से और ज्यादा कनफ्यूज़न हो जाती है।

तो अगर आपने भी खुद को फिट रखने का वादा कर लिया है, तो हम आपको सजेस्ट करेंगे कुछ ऐसे ईज़ी वर्कआउट्स, जो आपको फिट एंड फाइन रखने के साथ ही अपर से लेकर बॉडी तक के लिए हैं बेहद फायदेमंद। तो डाइट के साथ इन एक्सरसाइजेस को भी बनाएं अपने रूटीन का हिस्सा। जिसका असर आपको अपनी बॉडी पर कुछ ही दिनों में नजर आने लगेगा।

कई बीमारियां दूर रहेंगी और आप लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकेंगे।

जंपिंग जैक

जंपिंग जैक बेसिक लेकिन बेहद फायदेमंद एक्सरसाइज है। इस एक्सरसाइज को करने से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही थाईज़ भी स्ट्रान्ग होती हैं। पेट की चर्बी कम होने लगती है। इस एक्सरसाइज को करने से पहले हाथ और पैरों की हल्की-फुल्की स्ट्रेचिंग जरूर कर लें, जिससे इंजुरी की संभावना कम हो जाती है।

स्किपिंग रोप

रस्सी कूदना भी आसान एक्सरसाइज में शामिल है। इसका असर भी आपको काफी कम दिनों में देखने को मिल सकता है। इसके रोजाना दो से तीन सेट्स करने की को शि श करें। अच्छी प्रैक्टिस हो जाने के बाद आप इसे बढ़ा भी सकते हैं। एक सेट में कम से कम 30 से 50 बार जंप करने की कोशिश करें।

स्क्वॉट जंप

स्क्वाट जंप भी ओवरऑल बॉडी को टोन करने वाली बेहतरीन एक्सरसाइजेस में से एक है। इसे करने से बॉडी में ब्लड का सर्कुलेशन सही तरह से होता है। जिससे कई सारी समस्याएं दूर रहती हैं, साथ ही कम समय में अच्छी-खासी कैलोरीज़ बर्न की जा सकती है।

सर्दियों में वर्कआउट करने का बेस्ट टाइम

सर्दियों के मौसम में भी वर्कआउट करने का बेस्ट टाइम सुबह ही है। इसकी वजह है कि सुबह एक्सरसाइज कर लेने से पूरे दिन शरीर में एनर्जी बनी रहती है।

वर्कआउट करने से शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है, जो पूरे दिन आपको एक्टिव रखने में मदद करता है। ठंड में सुबह उठकर कसरत करने के लिए आलस्य छोड़ना थोड़ा मुश्किल होता है, लेकिन अपने हेल्थ को ध्यान में रखते हुए, एक्सरसाइज के लिए सुबह का समय ही चुनें।

जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए रोजाना करें मकरासन

आजकल जोड़ों में दर्द आम समस्या है। इस स्थिति में व्यक्ति को जोड़ों में कम या तेज दर्द होता है। कभी-कभार यह दर्द असहनीय हो जाता है। इस वजह से चलने, उठने और बैठने में दिक्कत होती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी की वजह से जोड़ों में दर्द होता है। इसके अलावा, थकान, चोट और बढ़ती उम्र के चलते भी जोड़ों में दर्द होता है।

इस बीमारी से वयस्क अधिक प्रभावित होते हैं। हालांकि, आजकल कम उम्र के लोगों में भी गठिया के लक्षण देखे जाते हैं। अगर आप भी जोड़ों में दर्द से परेशान हैं और इससे निजात पाना चाहते हैं, तो रोजाना योग और एक्सरसाइज करें। योग के कई आसन हैं। उनमें एक मकरासन है।

इस योग को करने से जोड़ों में दर्द की समस्या से निजात मिलता है। आइए, मकरासन के बारे में सबकुछ जानते हैं-

मकरासन

मकरासन दो शब्दों मकर और आसन से मिलकर बना है। आसान शब्दों में कहें तो मकर की मुद्रा में बैठना मकरासन कहलाता है।

यहां मकर का तात्पर्य मगरमच्छ से है। मगरमच्छ शांत चित से नदी में लेटा रहता है। इस योग को करने के दौरान मगरमच्छ के समान शांत चित होकर लेटना रहता है। इस योग को करने से जोड़ों के दर्द में आराम मिलता है। साथ ही तनाव से भी राहत मिलता है। इसके अलावा, बढ़ते वजन को भी कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

मकरासन कैसे करें

इसके लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर पेट के बल लेट जाएं। इस योग को खाली पेट करना फायदेमंद होता है। अब दोनों कोहनियों को जमीन पर फैलाकर सोने की मुद्रा में आ जाएं। आसान शब्दों में कहें तो अपने सिर को दोनों हाथों पर रखें। वहीं पैरों के बीच दूरी बनाकर रखें।

इसके अलावा, आप कोहनियों को जमीन पर टीका कर आगे की ओर मुख कर ध्यान मुद्रा में भी मकरासन कर सकते हैं। इस दौरान अपने पैरों की उंगलियों को जमीन से स्पर्श करें। आप इस मुद्रा में मगरमच्छ की भांति विश्राम करते हैं।

मानसिक थकान को दूर करने के लिए आजमाएं ये आसान टिप्स

क्या आप हमेशा थका हुआ और ऊर्जाहीन महसूस करते हैं? क्या आपको लंबे समय से तनाव का अनुभव हो रहा है? अगर हां, तो यह मानसिक थकान का संकेत हो सकता है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक थकान होना आम बात है। व्यस्त जीवनशैली में हम अक्सर कई चीजों को एक साथ निपटाने की कोशिश करते हैं। लंबे समय से काम और तनाव के कारण शरीर के साथ-साथ हमारा दिमाग और मन भी थक जाता है।

अक्सर लोग मानसिक थकान को नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन ऐसा करना आपकी शारीरिक और मानसिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। तो अब सवाल यह उठता है कि मानसिक थकान को कैसे दूर करें? आज हम आपको मानसिक थकान को दूर करने के उपाय बताने जा रहे हैं

1. धूप में बैठें

अगर आप हर समय खुद को थका हुआ महसूस करते हैं, तो रोजना थोड़ी देर धूप में बैठें। यह खुद को रिचार्ज करने का सबसे सरल तरीका है। सूरज की रोशनी से हमारे शरीर और दिमाग पर स का र त्म क प्रभाव पड़ता है। रोज धूप में बैठने से शरीर में विटामिन डी की आपूर्ति होती है, जिससे आप ऊर्जावान महसूस करते हैं। इसके लिए दिन में कम से कम 30 मिनट के लिए धूप में जरूर बैठें।

2. अच्छी और गहरी नींद लें

मानसिक थकान को कम करने के लिए अच्छी और गहरी नींद बहुत जरूरी है। नींद पूरी न होने के कारण आपकी मानसिक थकान बढ़ सकती है। इससे बचने के लिए पूरे दिन में कम से कम 8 घंटे जरूर सोएं। अगर आपको नींद से जुड़ी कोई परेशानी है, तो डॉक्टर से संपर्क करें।

3. ब्रेक लें

लगातार काम करते-करते आपका शरीर ही नहीं, दिमाग भी थक सकता है। मा न सि क थकान के कारण आपको किसी भी काम पर फोकस करने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में, दिमाग की थकान मिटाने के लिए काम के बीच में कुछ छोटे-छोटे ब्रेक लेना मददगार हो सकता है। इसके लिए थोड़ी देर के लिए काम से दूर हो जाएं और बॉडी की स्ट्रेचिंग करें। इस समय में आप एक कप कॉफी या अपने पसंदीदा संगीत का आनंद ले सकते हैं। ब्रेक लेने से आप खुद को रिलैक्स और रिफ्रेश महसूस करेंगे।

4. व्यायाम करें

मानसिक तनाव से बचने के लिए अपने रूटीन में व्यायाम को शामिल करें। रोजाना व्यायाम करने से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। इसके लिए रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करने की कोशिश करें।

इससे आपकी मानसिक थकान कम होगी और आप खुद को ऊर्जावान महसूस करेंगे। आप रोजाना ध्यान और योग का अभ्यास भी कर सकते हैं।

5. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से ब्रेक लें

आजकल की डिजिटल दुनिया में हमारा ज्यादातर समय इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ गुजरता है। दिनभर मोबाइल और लैपटॉप आदि से जुड़े रहते हैं। इससे हमारा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित होता है। मानसिक थकान से बचने के लिए टेक्नोलॉजी से ब्रेक लें। खुद को कुछ समय के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से दूर करके आप मानसिक तौर पर फ्रेश महसूस करेंगे।

BNM Fantasy
Saturday
23 December 2023

दीपिका पादुकोण बनीं हेयर स्टाइलिस्ट

दीपिका पादुकोण इन दिनों लंदन में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की। फोटोज में दीपिका अपनी बेस्ट फ्रेंड्स स्नेहा रामचंदर और दिव्या नारायण के साथ नजर आ रही हैं। अपनी बेस्टी को हेयर स्टाइल में मदद करते हुए दीपिका की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हाल ही में दीपिका की दोस्त स्नेहा रामचंदर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की। फोटो में दीपिका बहुत ध्यान से अपनी बेस्ट फ्रेंड के बाल बनाती नजर आ रही हैं। स्नेहा ने कैप्शन लिखा- दीपिका पादुकोण मेरे बाल बनाती हुईं। असिस्टेंट के तौर पर हमारी दोस्त दिव्या नारायण भी मौजूद हैं।

रणबीर कपूर के साथ इंटीमेट सीन देने पर तृप्ति डिमरी ने किया रिएक्ट

रणबीर कपूर की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में दो दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। जैसे-जैसे फिल्म सक्सेस की ओर बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे फिल्म के कई पहलुओं पर लोग बात कर रहे हैं। 'एनिमल' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बीच रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी के बीच फिल्माया गया इंटिमेट सीन भी काफी चर्चा में है। सोशल मीडिया पर रणबीर और तृप्ति के बीच के न्यूड सीन को लेकर काफी हलचल मची है। कुछ फैंस ने इस क्राफ्ट की तारीफ की, तो कुछ ने इसे हाइरेटेड मूवी बात कर परिवार के साथ न देखने की नसीहत दी। इस बीच ऐक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने रणबीर के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है। एनिमल' में रणबीर कपूर का तृप्ति डिमरी के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर दिखाया है। फिल्म में दोनों का इंटीमेट सीन है। सोशल मीडिया पर उस समय सीन से जुड़ी एक फोटो वायरल हुई है, जिसमें तृप्ति सेमी न्यूड लेटी हैं और रणबीर उनके पेट पर सिर रखे हुए हैं। रणबीर के साथ थोड़े टाइम के लिए ही तृप्ति ने स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। उनके साथ काम करने की एक्सपीरियंस ने एक्ट्रेस ने कहा कि वह दोबारा रणबीर के साथ कोलैबोरेट करने की उम्मीद रखती हैं। इस फिल्म ने दो दिनों में 100 करोड़ के पार की कमाई कर डाली है। शनिवार को मूवी ने 66.27 करोड़ की कमाई की।

फेक न्यूज पर फूटा कृति सेनन का गुस्सा

कृति सेनन ने लिया लीगल एक्शन

नेशनल अवॉर्ड विनर कृति सेनन (Kriti Sanon) को लेकर खबरें चल रही हैं कि उन्होंने करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण के एक एपिसोड में कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स का प्रमोशन किया है। अब अभिनेत्री ने इन खबरों को झूठा बताकर लीगल एक्शन लिया है। एक्ट्रेस से बिजनेसवुमन बनीं कृति सेनन आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। अभिनेत्री पिछले साल चैट कॉफी विद करण में पहुंची थीं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि अभिनेत्री ने शो में ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म्स का प्रमोशन किया है। अभिनेत्री ने इन खबरों को झूठा बताया है। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कुछ न्यूज के स्क्रीनशॉट को शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने 'फेक न्यूज' का स्टिकर लगाया है। साथ ही लिखा है, "फेक न्यूज अलर्ट।" यही नहीं, अभिनेत्री ने एक स्टेटमेंट जारी कर फेक न्यूज फैलानों वालों पर लीगल एक्शन लेने की बात कही है।कृति सेनन ने स्टेटमेंट जारी कर कहा, "कॉफी विद करण में मेरे द्वारा कुछ ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को प्रमोट करने के बारे में कई आर्टिकल्स वायरल हो रहे हैं, जो झूठे हैं। यह आर्टिकल पूरी तरह से फर्जी और झूठे हैं और बेईमानी व गलत इरादे से प्रकाशित किए गए हैं। यह आर्टिकल मानहानिकारक हैं और मुझे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से जोड़ने का झूठा दावा कर रहे हैं।"कृति सेनन ने आगे कहा, "मैंने शो में कभी भी किसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के बारे में बात नहीं की है। मैंने ऐसे झूठे आर्टिकल्स और रिपोर्टों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है और कानूनी नोटिस जारी किया है। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि ऐसी झूठी, फर्जी और मानहानिकारक रिपोर्टों से सावधान रहें।" कृति सेनन अभिनेत्री होने के साथ-साथ अब एक प्रोड्यूसर भी बन गई हैं, जो जल्द ही अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' को प्रोड्यूस करेंगी। इस फिल्म में वह काजोल के साथ स्क्रीन भी शेयर करती दिखेंगी। इसके अलावा उनके पास फिल्मों की एक लंबी लिस्ट है, जिसमें 'द क्रू', 'हाउसफुल 5' और शाहिद कपूर के साथ रोमांटिक फिल्म शामिल है।